
Gayatri Mantra-s in Devanagari sequence

गायत्रीमन्त्राः वर्णनुक्षरानुक्रमेण

Document Information



Text title : Gayatri Mantra-s from all available sources Devanagari sequence

File name : gaayatriimantraaH_devanagari.itz

Category : major_works, mantra

Location : doc_z_misc_major_works

Author : Vedic Rishi-s

Transliterated by : Dinkar Deshpande, Sunder Hattangadi

Proofread by : Sunder Hattangadi

Description-comments : Linga Purana,MantraMaharnava,Gayatrimahatantra,navagrahagAyatrI

Latest update : September 18, 2022

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

March 24, 2024

sanskritdocuments.org



गायत्रीमन्त्रः वर्णनुक्षरानुक्रमेण



ॐ

ॐ ॐ अङ्काराय विद्महे उमरुजातस्य धीमहि तन्मः प्रणवः प्रचोदयात् ॥

अग्नि

अग्नि ॐ महाज्वालाय विद्महे अग्निमथनाय धीमहि तन्मोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

अग्नि ॐ महाज्वालाय विद्महे अग्निदेवाय धीमहि तन्मोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

अग्नि ॐ रुद्रनेत्राय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्मो वहिः प्रचोदयात् ॥

अग्नि ॐ वैश्वानराय विद्महे लाललीलाय धीमहि तन्मोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

अग्नि ॐ वैश्वानराय विद्महे लालीलाय धीमहि तन्मोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

अग्नि ॐ सप्तजिह्वाय विद्महे अग्निदेवाय धीमहि तन्मोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

अजपा

अजपा ॐ हंस हंसाय विद्महे सोऽहं हंसाय धीमहि तन्मो हंसः प्रचोदयात् ॥

अनन्नपूर्णा

अनन्नपूर्णा ॐ भगवत्यै च विद्महे माहेश्वर्यै च धीमहि तन्मोऽनन्नपूर्णा प्रचोदयात् ॥

आकाश

आकाश ॐ आकाशाय च विद्महे नभोदेवाय धीमहि तन्मो गगनं प्रचोदयात् ॥

इन्द्र, शक्र

इन्द्र ॐ तत्पुरुषाय विद्महे सहस्राक्षाय धीमहि तन्म इन्द्रः प्रचोदयात् ॥

इन्द्र ॐ सहस्रनेत्राय विद्महे वज्रहस्ताय धीमहि तन्म इन्द्रः प्रचोदयात् ॥

इन्द्र ॐ देवराजाय विद्महे वज्रहस्ताय धीमहि तन्मः शक्रः प्रचोदयात् ॥

काम

काम ॐ कामदेवाय विद्महे पुष्पबाणाय धीमहि तन्मोऽनङ्गः प्रचोदयात् ॥

काम ॐ मनोभवाय विद्धहे कन्दर्पाय धीमहि तन्मः कामः प्रचोदयात् ॥

काम ॐ मन्मथेशाय विद्धहे कामदेवाय धीमहि तन्मोऽनङ्गः प्रचोदयात् ॥

कामकलाकाली

कामकलाकाली ॐ अनङ्गाकुलायै विद्धहे मदनातुरायै धीमहि तन्मः कामकलाकाली प्रचोदयात् ॥

काली

काली ॐ आद्यायै च विद्धहे परमेश्वर्यै च धीमहि तन्मः कालीः प्रचोदयात् ॥

काली ॐ कालिकायै च विद्धहे इमशानवासिन्यै च धीमहि तन्मोऽघोरा प्रचोदयात् ॥

काली ॐ कालिकायै विद्धहे इमशानवासिन्यै धीमहि तन्मोऽघोरा प्रचोदयात् ॥

कृष्ण

कृष्ण ॐ गोविन्दाय विद्धहे गोपीवल्लभाय धीमहि तन्मः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

कृष्ण ॐ दामोदराय विद्धहे रुकिमणीवल्लभाय धीमहि तन्मः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

कृष्ण ॐ दामोदराय विद्धहे वासुदेवाय धीमहि तन्मः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

कृष्ण ॐ देवकीनन्दनाय विद्धहे वासुदेवाय धीमहि तन्मः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

कृष्ण ॐ श्रीकृष्णाय विद्धहे दामोदराय धीमहि तन्मो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

केतु

केतु ॐ अश्वध्वजाय विद्धहे शूलहस्ताय धीमहि तन्मः केतुः प्रचोदयात् ॥

केतु ॐ गदाहस्ताय विद्धहे अमृतेशाय धीमहि तन्मः केतुः प्रचोदयात् ॥

केतु ॐ चित्रवर्णाय विद्धहे सर्पसूपाय धीमहि तन्मः केतुः प्रचोदयात् ॥

केतु ॐ धूम्रवर्णाय विद्धहे विकृताननाय धीमहि तन्मः केतुः प्रचोदयात् ॥

केतु ॐ पद्मपुत्राय विद्धहे अमृतेशाय धीमहि तन्मः केतुः प्रचोदयात् ॥

केतु ॐ अत्रवाय (धूम्राय) विद्धहे कपोतवाहनाय धीमहि तन्मः केतुः प्रचोदयात् ॥

गणेश

गणेश ॐ एकदन्ताय विद्धहे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्मो दन्तिः प्रचोदयात् ॥

गणेश ॐ तत्कराटाय विद्धहे हस्तिमुखाय धीमहि तन्मो दन्ती प्रचोदयात् ॥

गणेश ॐ तत्पुरुषाय विद्धहे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्मो दन्तिः प्रचोदयात् ॥

गणेश ॐ तत्पुरुषाय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि तत्त्वो दन्ती प्रचोदयात् ॥

गणेश ॐ तत्पुरुषाय विद्महे हस्तिमुखाय धीमहि तत्त्वो दन्ती प्रचोदयात् ॥

गणेश ॐ लम्बोदराय विद्महे महोदराय धीमहि तत्त्वो दन्तिः प्रचोदयात् ॥

गरुड

गरुड ॐ तत्पुरुषाय विद्महे सुवर्णपर्णाय धीमहि तत्त्वो गरुडः प्रचोदयात् ॥

गरुड ॐ तत्पुरुषाय विद्महे सुवर्णपक्षाय धीमहि तत्त्वो गरुडः प्रचोदयात् ॥

गरुड ॐ वैनतेयाय विद्महे सुवर्णपक्षाय धीमहि तत्त्वो गरुडः प्रचोदयात् ॥

गुरु

गुरु ॐ गुरुदेवाय विद्महे परब्रह्माय धीमहि तत्त्वो गुरुः प्रचोदयात् ॥

गुरु ॐ वृषभध्वजाय विद्महे कुनिहस्ताय धीमहि तत्त्वो गुरुः प्रचोदयात् ॥

गुरु ॐ सुराचार्याय विद्महे सुरश्रेष्ठाय धीमहि तत्त्वो गुरुः प्रचोदयात् ॥

गुरु ॐ सुराचार्याय विद्महे वाचस्पतये च धीमहि तत्त्वो गुरुः प्रचोदयात् ॥

गुरु ॐ अङ्गिरसाय विद्महे दण्डायुधाय धीमहि तत्त्वो जीवः प्रचोदयात् ॥

गुरु ॐ अङ्गिरोजाताय विद्महे वाचस्पतये धीमहि तत्त्वो गुरुः प्रचोदयात् ॥

गोपाल

गोपाल ॐ गोपालाय विद्महे गोपीजनवल्लभाय धीमहि तत्त्वो गोपालः प्रचोदयात् ॥

गौरी

गौरी ॐ गणाम्बिकायै विद्महे कर्मसिद्धै च धीमहि तत्त्वो गौरी प्रचोदयात् ॥

गौरी ॐ सुभगायै च विद्महे काममालायै धीमहि तत्त्वो गौरी प्रचोदयात् ॥

चन्द्र, सोम

चन्द्र ॐ निशाकराय विद्महे कलानाथाय धीमहि तत्रः सोमः प्रचोदयात् ॥

चन्द्र ॐ क्षीरपुत्राय विद्महे अमृततत्त्वाय धीमहि तत्त्वश्चन्द्रः प्रचोदयात् ॥

चन्द्र ॐ क्षीरपुत्राय विद्महे महाकालाय धीमहि तत्त्वश्चन्द्रः प्रचोदयात् ॥

चन्द्र ॐ सोमात्मजाय विद्महे अमृततत्त्वाय धीमहि तत्रः सोमः प्रचोदयात् ॥

चन्द्र ॐ अत्रिपुत्राय विद्महे सागरोद्धवाय धीमहि तत्त्वश्चन्द्रः प्रचोदयात् ॥

छिन्नमस्ता

छिन्नमस्ता ॐ वैरोचन्यै च विद्धहे छिन्नमस्तायै धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

जयदुर्गा

जयदुर्गा ॐ नारायण्यै विद्धहे दुर्गायै च धीमहि तन्मो गौरी प्रचोदयात् ॥

जल

जल ॐ जलविम्बाय विद्धहे नीलपुरुषाय धीमहि तन्मस्त्वम्बु प्रचोदयात् ॥

जल ॐ ह्रीं जलविम्बाय विद्धहे मीनपुरुषाय धीमहि तन्मो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

जानकी

जानकी ॐ जनकजायै विद्धहे रामप्रियायै धीमहि तन्मः सीता प्रचोदयात् ॥

तारा

तारा ॐ तारायै च विद्धहे महोग्रायै धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

तुलसी

तुलसी ॐ तुलसीदेव्यै च विद्धहे विष्णुप्रियायै च धीमहि तन्मो वृन्दः प्रचोदयात् ॥

तुलसी ॐ श्रीत्रिपुराय विद्धहे तुलसीपत्राय धीमहि तन्मस्तुलसी प्रचोदयात् ॥

त्वरिता

त्वरिता ॐ त्वरितादेव्यै विद्धहे महानित्यायै धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

दक्षिणामूर्ति

दक्षिणामूर्ति ॐ दक्षिणामूर्तये विद्धहे ध्यानस्थाय धीमहि तन्मो धीशः प्रचोदयात् ॥

दुर्गा

दुर्गा ॐ कात्यायनाय विद्धहे कन्यकुमारी च धीमहि तन्मो दुर्गा प्रचोदयात् ॥

दुर्गा ॐ कात्यायन्यै विद्धहे कन्याकुमार्यै धीमहि तन्मो दुर्गा प्रचोदयात् ॥

दुर्गा ॐ गिरिजायै च विद्धहे शिवप्रियायै च धीमहि तन्मो दुर्गा प्रचोदयात् ॥

दुर्गा ॐ महादेव्यै च विद्धहे दुर्गायै च धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

दुर्गा ॐ महाशूलिन्यै विद्धहे महादुर्गायै धीमहि तन्मो भगवती प्रचोदयात् ॥

देवी

देवी ॐ देव्यैब्रह्माण्यै विद्धहे महाशत्त्वै च धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

देवी ॐ महाशूलिन्यै च विद्महे महादुर्गायै धीमहि तत्त्वो भगवती प्रचोदयात् ॥

देवी ॐ वाग्देव्यै च विद्महे कामराज्ञै च धीमहि तत्त्वो देवी प्रचोदयात् ॥

धूमावती

धूमावती ॐ धूमावत्यै च विद्महे संहारिण्यै च धीमहि तत्त्वो धूमा प्रचोदयात् ॥

नन्दिकेश्वर

नन्दिकेश्वर ॐ तत्पुरुषाय विद्महे नन्दिकेश्वराय धीमहि तत्त्वो वृषभः प्रचोदयात् ॥

नन्दी

नन्दी ॐ तत्पुरुषाय विद्महे चक्रतुण्डाय धीमहि तत्त्वो नन्दीः प्रचोदयात् ॥

नन्दी ॐ हरिवक्राय विद्महे रुद्रवक्राय धीमहि तत्त्वो नन्दीः प्रचोदयात् ॥

नारायण See also विष्णु

नारायण ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि तत्त्वो नारायणः प्रचोदयात् ॥

नारायण ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि तत्त्वो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

निर्वृति

निर्वृति ॐ निशाचराय विद्महे खड्हहस्ताय धीमहि तत्त्वो निर्वृतिः प्रचोदयात् ॥

नृसिंह

नृसिंह ॐ नृसिंहाय विद्महे वज्रनखाय धीमहि तत्त्वः सिंहः प्रचोदयात् ॥

नृसिंह ॐ उग्रनृसिंहाय विद्महे वज्रनखाय धीमहि तत्त्वो नृसिंहः प्रचोदयात् ॥

नृसिंह ॐ वज्रनखाय विद्महे तीक्ष्णदंष्ट्राय धीमहि तत्त्वो नरसिंहः प्रचोदयात् ॥

परमहंसः

परमहंस ॐ पद्मोद्भवाय विद्महे वेदवक्राय धीमहि तत्त्वः स्नष्टा प्रचोदयात् ॥

परशुराम

परशुराम ॐ जामदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि तत्त्वः परशुरामः प्रचोदयात् ॥

पाञ्चजन्य

पाञ्चजन्य ॐ पाञ्चजन्याय विद्महे पावमानाय धीमहि तत्त्वः शङ्खः प्रचोदयात् ॥

पाण्डुरङ्ग

पाण्डुरङ्ग ॐ भक्तवरदाय विद्महे पाण्डुरङ्गाय धीमहि तत्त्वः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

पृथ्वी, पृथिवी

पृथ्वी ॐ पृथ्वी देव्यै विद्धाहे सहस्रमत्यै च धीमहि तन्मः पृथ्वी प्रचोदयात् ॥

पृथिवी ॐ पृथिवीदेव्यै च विद्धाहे सहस्रमूर्त्यै च धीमहि तन्मो मही प्रचोदयात् ॥

पृथिवी ॐ समुद्धृताय विद्धाहे विष्णुनैकेन धीमहि तन्मो धरा प्रचोदयात् ॥

बगलामुखी

बगलामुखी ॐ बगलामुख्यै च विद्धाहे स्तम्भिन्यै च धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

बगलामुखी ॐ ऐं बगलामुखि विद्धाहे ॐ क्लीं कान्तेश्वरि धीमहि । ॐ सौः तन्मः प्रह्लीं प्रचोदयात् ॥

बटुकभैरव

बटुकभैरव ॐ तत्पुरुषाय विद्धाहे आपदुद्धारणाय धीमहि तन्मो बटुकः प्रचोदयात् ॥

बुध

बुध ॐ गजध्वजाय विद्धाहे सुखहस्ताय धीमहि तन्मो बुधः प्रचोदयात् ॥

बुध ॐ चन्द्रपुत्राय विद्धाहे रोहिणी प्रियाय धीमहि तन्मो बुधः प्रचोदयात् ॥

बुध ॐ सौम्यरूपाय विद्धाहे वाणेशाय धीमहि तन्मो बुधः प्रचोदयात् ॥

बुध ॐ सोमात्मजाय विद्धाहे सिंहरूपाय धीमहि तन्मो बुधः प्रचोदयात् ॥

ब्रह्मा

ब्रह्मा ॐ चतुर्मुखाय विद्धाहे कमण्डलुधराय धीमहि तन्मो ब्रह्मा प्रचोदयात् ॥

ब्रह्मा ॐ चतुर्मुखाय विद्धाहे हंसारूढाय धीमहि तन्मो ब्रह्मा प्रचोदयात् ॥

ब्रह्मा ॐ पद्मोद्भवाय विद्धाहे देववक्त्राय धीमहि तन्मः सष्टा प्रचोदयात् ॥

ब्रह्मा ॐ परमेश्वराय विद्धाहे परतत्त्वाय धीमहि तन्मो ब्रह्मा प्रचोदयात् ॥

ब्रह्मा ॐ वेदात्मने च विद्धाहे हिरण्यगर्भाय धीमहि तन्मो ब्रह्मा प्रचोदयात् ॥

भुवनेश्वरी

भुवनेश्वरी ॐ नारायण्यै च विद्धाहे भुवनेश्वर्यै धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

मैरवी

मैरवी ॐ त्रिपुरायै च विद्धाहे मैरव्यै च धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

भौम, अङ्गारक, मङ्गल, कुज

भौम ॐ अङ्गारकाय विद्धाहे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्मो भौमः प्रचोदयात् ॥

भौम ॐ चित्रिपुत्राय विद्धहे लोहिताङ्गाय धीमहि तन्मो भौमः प्रचोदयात् ॥

भौम ॐ वीरध्वजाय विद्धहे विघ्नहस्ताय धीमहि तन्मो भौमः प्रचोदयात् ॥

भौम ॐ अङ्गारकाय विद्धहे भूमिपालाय धीमहि तन्मः कुजः प्रचोदयात् ॥

भौम ॐ क्षितिपुत्राय विद्धहे लोहिताङ्गाय धीमहि तन्मो भौमः प्रचोदयात् ॥

मन्मथ

मन्मथ ॐ कामदेवाय विद्धहे पुष्पवनाय धीमहि तन्मः कामः प्रचोदयात् ॥

महादेव

महादेव ॐ तत्पुरुषाय विद्धहे महादेवाय धीमहि तन्मो रुद्रः प्रचोदयात् ॥

महिषामर्दिनि

महिषामर्दिनी ॐ महिषमर्दिन्यै विद्धहे दुर्गायै धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

मातङ्गी

मातङ्गी ॐ मातङ्गै च विद्धहे उच्छिष्टचाणडाल्यै च धीमहि तन्मो देवी प्रचोदयात् ॥

मारुती

मारुती ॐ मरुत्पुत्राय विद्धहे आञ्जनेयाय धीमहि तन्मो मारुतिः प्रचोदयात् ॥

यम

यम ॐ वैवस्तवाय विद्धहे दण्डहस्ताय धीमहि तन्मो यमः प्रचोदयात् ॥

यम ॐ सूर्यपुत्राय विद्धहे महाकालाय धीमहि तन्मो यमः प्रचोदयात् ॥

यक्ष

यक्ष ॐ यक्षेश्वराय विद्धहे गदाहस्ताय धीमहि तन्मो यक्षः प्रचोदयात् ॥

राधा, राधिका

राधा ॐ वृषभानुजायै विद्धहे कृष्णप्रियायै धीमहि तन्मो राधा प्रचोदयात् ॥

राम

राम ॐ दाशरथाय विद्धहे सीतावल्लभाय धीमहि तन्मो रामः प्रचोदयात् ॥

राम ॐ भरताग्रजाय विद्धहे रघुनन्दनाय धीमहि तन्मो रामः प्रचोदयात् ॥

राम ॐ भरताग्रजाय विद्धहे सीतावल्लभाय धीमहि तन्मो रामः प्रचोदयात् ॥

राम ॐ रघुवंश्याय विद्धहे सीतावल्लभाय धीमहि तन्मो रामः प्रचोदयात् ॥

राहु

- राहु ॐ नागध्वजाय विद्महे पद्महस्ताय धीमहि तत्त्वो राहुः प्रचोदयात् ॥
 राहु ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तत्त्वो राहुः प्रचोदयात् ॥
 राहु ॐ नीलाम्बराय च विद्महे शूलधराय धीमहि तत्त्वो राहुः प्रचोदयात् ॥
 राहु ॐ नीलवर्णाय विद्महे सैंहिकेयाय धीमहि तत्त्वो राहुः प्रचोदयात् ॥

रुद्र

- रुद्र ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तत्त्वो रुद्रः प्रचोदयात् ॥
 रुद्र ॐ पुरुषस्य विद्महे सहस्राक्षस्य धीमहि तत्त्वो रुद्रः प्रचोदयात् ॥
 रुद्र ॐ सर्वश्वराय विद्महे शूलहस्ताय धीमहि तत्त्वो रुद्रः प्रचोदयात् ॥

लक्ष्मण

- लक्ष्मण ॐ दाशरथाय विद्महे अलबेलया धीमहि तत्त्वो लक्ष्मणः प्रचोदयात् ॥

लक्ष्मी

- लक्ष्मी ॐ महादेव्यै च विद्महे विष्णुपत्न्यै च धीमहि तत्त्वो लक्ष्मीः प्रचोदयात् ॥
 लक्ष्मी ॐ महाम्बिकायै विद्महे कर्मसिष्यै च धीमहि तत्त्वो लक्ष्मीः प्रचोदयात् ॥
 लक्ष्मी ॐ महालक्ष्मी च विद्महे विष्णुपत्नीश्च धीमहि तत्त्वो लक्ष्मीः प्रचोदयात् ॥
 लक्ष्मी ॐ महालक्ष्मीश्च विद्महे सर्वसिद्धिश्च धीमहि तत्त्वो देवी प्रचोदयात् ॥
 लक्ष्मी ॐ महालक्ष्म्यै च विद्महे महाश्रियै च धीमहि तत्त्वो श्रीः प्रचोदयात् ॥
 लक्ष्मी ॐ महालक्ष्म्यै च विद्महे सार्वशक्त्यै च धीमहि तत्त्वो देवी प्रचोदयात् ॥

वडवानल

- वडवानल ॐ शोचिष्ठेशाय विद्महे वडवामुखाय धीमहि तत्त्वः शुक्रः प्रचोदयात् ॥

वरुण

- वरुण ॐ जलबिम्बाय विद्महे नीलपुरुषाय धीमहि तत्त्वो वरुणः प्रचोदयात् ॥
 वरुण ॐ शुद्धहस्ताय विद्महे पाशहस्ताय धीमहि तत्त्वो वरुणः प्रचोदयात् ॥

वाचा

- वाचा ॐ शिवास्यजायै विद्महे देवरूपायै धीमहि तत्त्वो वाचा प्रचोदयात् ॥

वाणी

वाणी ॐ ब्रह्मजायायै विद्महे देवरूपायै धीमहि तत्त्वो वाचा प्रचोदयात् ॥

वायु

वायु ॐ पवनपुरुषाय विद्महे सहस्रमूर्तये च धीमहि तत्त्वो वायुः प्रचोदयात् ॥

वायु ॐ सर्वप्राणाय विद्महे यथिहस्ताय धीमहि तत्त्वो वायुः प्रचोदयात् ॥

विष्णु

विष्णु ॐ त्रैलोक्यमोहनाय विद्महे आत्मारामाय धीमहि तत्त्वो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

विष्णु ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि तत्त्वो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

विष्णु ॐ श्रीविष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि तत्त्वो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

वृष

वृष ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय विद्महे वेदपादाय धीमहि तत्त्वो वृषः प्रचोदयात् ॥

वेङ्कटेश्वर

वेङ्कटेश्वर ॐ निरञ्जनाय विद्महे निरपाशाय (?) धीमहि तत्त्वः श्रीनिवासः प्रचोदयात् ॥

वैश्वानर

वैश्वानर ॐ पावकाय विद्महे सप्तजिह्वाय धीमहि तत्त्वो वैश्वानरः प्रचोदयात् ॥

शङ्कर See also शिव

शङ्कर ॐ सदाशिवाय विद्महे सहस्राक्ष्याय धीमहि तत्त्वः साम्बः प्रचोदयात् ॥

शक्ति

शक्ति ॐ ऐं वागीश्वरि विद्महे क्लीं कामेश्वरि धीमहि सौस्तत्त्वः शक्तिः प्रचोदयात् ॥

शक्ति ॐ सर्वसंमोहिन्यै विद्महे विश्वजनन्यै च धीमहि तत्त्वः शक्तिः प्रचोदयात् ॥

शनीश्वर, शनैश्वर, शनी

शनी ॐ काकध्वजाय विद्महे खड्हहस्ताय धीमहि तत्त्वो मन्दः प्रचोदयात् ॥

शनी ॐ शनैश्वराय विद्महे सूर्यपुत्राय धीमहि तत्त्वो मन्दः प्रचोदयात् ॥

शनी ॐ सूर्यपुत्राय विद्महे मृत्युरूपाय धीमहि तत्त्वः सौरिः प्रचोदयात् ॥

शनी ॐ नीलञ्जनाय विद्महे सूर्यपुत्राय धीमहि तत्त्वः शनैश्वरः प्रचोदयात् ॥

शनी ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युरूपाय धीमहि तत्त्वः शनैश्वरः प्रचोदयात् ॥

शनी ॐ कृष्णज्ञाय विद्महे रविपुत्राय धीमहि तत्त्वः सौरिः प्रचोदयात् ॥

शरभ

शरभ ॐ पक्षिसाल्वाय विद्महे वज्रतुण्डाय धीमहि तन्नः शरभः प्रचोदयात् ॥

शिव

शिव ॐ तत्पुरुषाय विद्महे वाग्विशुद्धाय धीमहि तन्नः शिवः प्रचोदयात् ॥

शिव ॐ महादेवाय विद्महे रुद्रमूर्तये धीमहि तन्नः शिवः प्रचोदयात् ॥

शुक्र

शुक्र ॐ अश्वध्वजाय विद्महे धनुर्हस्ताय धीमहि तन्नः शुक्रः प्रचोदयात् ॥

शुक्र ॐ भृगुसुताय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नः शुक्रः प्रचोदयात् ॥

शुक्र ॐ रजदाभाय विद्महे भृगुसुताय धीमहि तन्नः शुक्रः प्रचोदयात् ॥

शुक्र ॐ भार्गवाय च विद्महे दानवार्चिताय धीमहि तन्नः शुक्रः प्रचोदयात् ॥

शुक्र ॐ भृगुवंशजाताय विद्महे श्वेतवाहनाय धीमहि तन्नः शुक्रः (कविः) प्रचोदयात् ॥

घोडशी

घोडशी ॐ ऐं त्रिपुरादेव्यै विद्महे क्लीं कामेश्वर्यै धीमहि सौस्तन्नः प्रचोदयात् ॥

घोडशी ॐ ऐं वागीश्वर्यै विद्महे क्लीं कामेश्वर्यै धीमहि सौस्तन्नः प्रचोदयात् ॥

घोडशी ॐ क्लीं त्रिपुरादेव्यै विद्महे कामेश्वरी धीमहि तन्नः क्लिन्ने प्रचोदयात् ॥

सरस्वती

सरस्वती ॐ ऐं वागदेव्यै च विद्महे कामराजायै धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात् ॥

सरस्वती ॐ वागदेव्यै च विद्महे विरिञ्चिपल्यै च धीमहि तन्नो वाणी प्रचोदयात् ॥

सर्प

सर्प ॐ नवकुलाय विद्महे विषदन्ताय धीमहि तन्नः सर्पः प्रचोदयात् ॥

सीता

सीता ॐ जनकनन्दिन्यै विद्महे भूमिजायै च धीमहि तन्नः सीता प्रचोदयात् ॥

सुदर्शन

सुदर्शन ॐ सुदर्शनाय विद्महे महाज्वालाय धीमहि तन्नश्वकः प्रचोदयात् ॥

सूर्य

सूर्य ॐ अश्वध्वजाय विद्महे पाशहस्ताय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥

सूर्य ॐ आदित्याय विद्धहे सहस्रकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥
 सूर्य ॐ आदित्याय विद्धहे सहस्रकिरणाय धीमहि तन्नो भानुः प्रचोदयात् ॥
 सूर्य ॐ आदित्याय च विद्धहे मार्तण्डाय च धीमहि तन्नो भानुः प्रचोदयात् ॥
 सूर्य ॐ प्रभाकराय विद्धहे दिवाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥
 सूर्य ॐ भास्कराय विद्धहे दिवाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥
 सूर्य ॐ भास्कराय विद्धहे महातेजाय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥
 सूर्य ॐ भास्कराय विद्धहे महाद्युतिकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥
 सूर्य ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

स्कन्दः षण्मुखः

स्कन्दः ॐ तत्पुरुषाय विद्धहे महासेनाय धीमहि तन्नः षण्मुखः प्रचोदयात् ॥
 स्कन्दः ॐ महासेनाय विद्धहे वाग्विशुद्धाय धीमहि तन्नः स्कन्दः प्रचोदयात् ॥
 स्कन्दः ॐ तत्पुरुषाय विद्धहे महासेनाय धीमहि तन्नः षण्मुखः प्रचोदयात् ॥
 स्कन्दः ॐ षण्मुखाय विद्धहे महासेनाय धीमहि तन्नः स्कन्दः प्रचोदयात् ॥

हंस

हंस ॐ परमहंसाय विद्धहे महत्तत्त्वाय धीमहि तन्नो हंसः प्रचोदयात् ॥
 हंस ॐ हंस हंसाय विद्धहे परमहंसाय धीमहि तन्नो हंसः प्रचोदयात् ॥

हनुमान

हनुमान ॐ अञ्जनीजाय विद्धहे वायुपुत्राय धीमहि तन्नो हनुमान् प्रचोदयात् ॥
 हनुमान ॐ रामदूताय विद्धहे कपिराजाय धीमहि तन्नो हनुमान् प्रचोदयात् ॥
 हनुमान ॐ आञ्जनेयाय विद्धहे महाबलाय धीमहि तन्नो हनूमान् प्रचोदयात् ॥
 हनुमान ॐ आञ्जनेयाय विद्धहे वायुपुत्राय धीमहि तन्नो हनूमान् प्रचोदयात् ॥

हयग्रीव

हयग्रीव ॐ वागीश्वराय विद्धहे हयग्रीवाय धीमहि तन्नो हंसः प्रचोदयात् ॥

गायत्री मन्त्राः ।

गणेश - सफलता-शक्ति विघ्ननाश, बुद्धि-वृद्धि

ॐ एकदंष्ट्राय विद्धहे वक्रतुण्डाय धीमहि तत्त्वो बुद्धिः प्रचोदयात् ।

नृसिंह - पराक्रम-शक्ति पुरुषार्थ, पराक्रम, वीरता, शत्रुनाश, आक्रमणरक्षा

ॐ उग्रनृसिंहाय विद्धहे वज्रनखाय धीमहि तत्त्वो नृसिंहः प्रचोदयात् ।

विष्णु - पालन-शक्ति पालन, रक्षा, योगक्षेम

ॐ नारायणाय विद्धहे वासुदेवाय धीमहि तत्त्वो विष्णुः प्रचोदयात् ।

शिव - कल्याण-शक्ति कल्याणवृद्धि, निश्चयता, आत्मपरायणता, अनिष्टविनाश

ॐ पञ्चवक्त्राय विद्धहे महादेवाय धीमहि तत्त्वो रुद्रः प्रचोदयात् ।

कृष्ण - योग-शक्ति कियाशीलता, आत्मनिष्ठा, अनासक्ति, कर्मयोग, सौन्दर्य, सरसता

ॐ देवकीनन्दनाय विद्धहे वासुदेवाय धीमहि तत्त्वो कृष्णः प्रचोदयात् ।

राधा - प्रेम-शक्ति प्रेमदृष्टि,

ॐ वृषभानुजायै विद्धहे कृष्णप्रियायै धीमहि तत्त्वो राधा प्रचोदयात् ।

लक्ष्मी - धन-शक्ति धन, पद, यशभोग्यवस्तुप्राप्ति

ॐ महालक्ष्म्यै विद्धहे विष्णुप्रियायै धीमहि तत्त्वो लक्ष्मीः प्रचोदयात् ।

अग्नि - तेज-शक्ति उष्णता, प्रकाश, शक्तिवृद्धि,

प्रभावशाली, प्रतिभाशाली, तेतेजस्वी

ॐ महाज्वालाय विद्धहे अग्निदेवाय धीमहि तत्त्वो अग्निः प्रचोदयात् ।

इन्द्र - रक्षा-शक्ति रोग, हिंसक, चोर, शत्रु, भूत-प्रेत, आक्रमण

ॐ सहस्रनेत्राय विद्धहे वज्रहस्ताय धीमहि तत्त्वो इन्द्रः प्रचोदयात् ।

सरस्वती - बुद्धि-शक्ति मेधावृद्धि, बुद्धि-पवित्रता,

चतुरता, दूरदर्शिता, विवेकशीलता

ॐ सरस्वत्यै विद्धहे ब्रह्मपुत्र्यै धीमहि तत्त्वो देवी प्रचोदयात् ।

दुर्गा - दमन-शक्ति दुष्टदमन, शत्रुसंहार, विघ्ननाश

ॐ गिरिजायै विद्धहे शिवप्रियायै धीमहि तत्त्वो दुर्गा प्रचोदयात् ।

हनुमान् - निष्ठा-शक्ति कर्तव्यपरायणता, निष्ठा, ब्रह्मचार्य, निर्भयता

ॐ अञ्जनासुताय विद्धहे वायुपुत्राय धीमहि तत्त्वो मारुतिः प्रचोदयात् ।

पृथ्वी - धारण-शक्ति गम्भीरता, क्षमाशीलता, सहिष्णुता, दृढता, धैर्य,

ॐ पृथ्वीदेव्यै विद्धहे सहस्रमूर्त्यै धीमहि तत्रः पृथ्वी प्रचोदयात् ।

सूर्य - प्राण-शक्ति निरोगिता, दीर्घायुः, विकास, वृद्धि, उष्णता,

ॐ भास्कराय विद्धहे दिवाकराय धीमहि तत्रः सूर्यः प्रचोदयात् ।

राम - मर्यादा-शक्ति तितिक्षा, धर्म, मर्यादा, सौम्यता, संयम, मैत्री

ॐ दाशरथ्ये विद्धहे सीतवल्लभाय धीमहि तत्रो रामः प्रचोदयात् ।

सीता - तप-शक्ति पवित्रता, मधुरता, सात्त्विकता, शील, नम्रता

ॐ जनकनन्दिन्यै विद्धहे भूमिजायै धीमहि तत्रः सीता प्रचोदयात् ।

चन्द्र - शान्ति-शक्ति विक्षोभ-शमन, काम-लोभ-मोह-निवारण,

ॐ क्षीरपुत्राय विद्धहे अमृततत्त्वाय धीमहि तत्रश्वन्दः प्रचोदयात् ।

यम - काल-शक्ति काल-सदुपयोग, निरालस्यता, स्फूर्ति, जागरूकता

ॐ सूर्यपुत्राय विद्धहे महाकालाय धीमहि तत्रो यमः प्रचोदयात् ।

ब्रह्मा - उत्पादक-शक्ति उत्पादन-वृद्धि,

ॐ चतुर्मुखाय विद्धहे हंसारूढाय धीमहि तत्रो ब्रह्मा प्रचोदयात् ।

वरुण - रस-शक्ति भावुकता, सरलता, कलाप्रियता, कवित्व,

आर्द्रता, दया, कोमलता, प्रसन्नता, माधुर्य, सौन्दर्य

ॐ जलविम्बाय विद्धहे नीलपुरुषाय धीमहि तत्रो वरुणः प्रचोदयात् ।

नारायण - आदर्श-शक्ति महत्वाकांक्षा, श्रेष्ठता, दिव्य

गुण, दिव्य स्वभाव, उज्ज्वल चरित्र, पथप्रदर्शक कार्यसहिली

ॐ नारायणाय विद्धहे वासुदेवाय धीमहि तत्रो विष्णुः प्रचोदयात् ।

हयग्रीव - साहस-शक्ति उत्साह, साहस, वीरता, शूरता, निर्भयतापुरुषार्थ

ॐ वाणीश्वराय विद्धहे हयग्रीवाय धीमहि तत्रो हयग्रीवः प्रचोदयात् ।

हंस - विवेक-शक्ति उज्ज्वल कीर्ति, आत्मसन्तोष, सदसन्निर्णय,

दूरदर्शिता, सत्सङ्गति, उत्तम आहार-विहा

ॐ परमहंसाय विद्धहे महाहंसाय धीमहि तत्रो हंसः प्रचोदयात् ।

तुलसी - सेवा-शक्ति लोकसंग्रह प्रवृत्ति, सत्य प्रधानता,

पतिव्रत, पत्नीवत, आत्मशान्ति, परदुःखनिवारण

ॐ तुलस्यै विद्धहे विष्णुप्रियायै धीमहि तत्रो वृन्दा प्रचोदयात् ।

These are compiled from

गायत्रीमन्त्रः वर्णानुक्षरानुक्रमेण

Linga Purana, Mantra Maharnava, Gayatrimahatantra, navagrahagAyatrI

The last set is from Gayatri Mahavidyan by Pandit Sriram Sharma Acharya

Encoded and proofread by Sunder Hattangadi



Gayatri Mantra-s in Devanagari sequence

pdf was typeset on March 24, 2024



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

